मुख्य आकर्षण

- ट्रिपल-स्क्रीन लेआउट (इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर + इंफोटेनमेंट + को-पैसेंजर डिस्प्ले)
- सेकंड-रो पैसेंजर स्क्रीन
- पैनोरमिक सनरूफ
- हार्मन कार्डन प्रीमियम ऑडियो सिस्टम
- वेंटिलेटेड और रिक्लाइनिंग सीट्स
- वायरलेस कनेक्टिविटी और ओवर-द-एयर अपडेट सपोर्ट
- इन सभी फीचर्स की वजह से इसका केबिन एक लग्जरी EV जैसा अहसास देता है।

महिंद्रा ने भारत में अपनी नई तीन-रो इलेक्ट्रिक SUV XEV 9S को आधिकारिक रूप से लॉन्च कर दिया है। इसकी शुरुआती कीमत 19.95 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) तय की गई है। यह मॉडल कंपनी की बेस्टसेलर XUV700 का इलेक्ट्रिक अवतार माना जा सकता है, लेकिन फीचर्स, टेक्नोलॉजी और डिजाइन के मामले में इसे काफी आगे ले जाया गया है। महिंद्रा का कहना है कि XEV 9S न केवल मिड-साइज इलेक्ट्रिक SUV सेगमेंट को टार्गेट करती है, बल्कि कई हाई-एंड इलेक्ट्रिक SUVs को भी चुनौती देने के लिए तैयार है। *-फीचर डेस्क*

डिजाइन और इंटीरियर

डिजाइन के मामले में XEV 9S को महिंद्रा की नई EV डिज़ाइन लैंग्वेज पर तैयार किया गया है, जिसमें आधुनिकता और एरोडायनामिक्स का खास ध्यान रखा गया है।

- बाहरी हिस्से में दिए गए फीचर्स
- शट-ऑफ फ्रंट ग्रिल
- L-शेप्ड LED DRLs
- वर्टिकल प्रोजेक्टर हेडलैम्प्स
- फुल-विड्थ रियर LED लाइट बार
- EV-ओरिएंटेड क्लीन सरफेस डिज़ाइन
- इन एलिमेंट्स के साथ यह इलेक्ट्रिक SUV काफी फ्यूचरिस्टिक और प्रीमियम लुक देती है। इंटीरियर में कंपनी ने कई हाई-टेक फीचर्स जोड़े हैं।

अन्य एडवांस्ड सेफ्टी फीचर्स

- Level 2+ ADAS
- ब्रेक-बाय-वायर तकनीक
- ब्लाइंड व्यू मॉनिटरिंग
- इंटेलिजेंट इमरजेंसी ब्रेकिंग
- लेन कीप असिस्ट और अडेप्टिव क्रूज़ कंट्रोल

महिंद्रा की इलेक्ट्रिक SUV XEV 9S

दमदार परफॉर्मेंस और फीचर्स

सेफ्टी और टेक्नोलॉजी

महिंद्रा ने XEV 9S को सुरक्षा के मामले में भी काफी एडवांस्ड बनाया है। SUV में 7 एयरबैग्स तक का विकल्प मिलता है, जिसमें नी-एयरबैग भी शामिल है।

कीमत और लॉन्च टाइमलाइन

महिंद्रा ने XEV 9S की कीमतें 19.95 लाख रुपये से 29.45 लाख रुपये तक रखी हैं। कंपनी का कहना है कि यह SUV इतनी प्रीमियम फीचर्स देती है कि यह 80 लाख रुपये तक की इलेक्ट्रिक SUVs के लिए भी कड़ी चुनौती पेश कर सकती है। टॉप मॉडल में Mahindra Secure 360 Pro सिस्टम दिया गया है, जो लाइव व्हीकल मॉनिटरिंग, एंटी-थेफ्ट अलर्ट और रीयल-टाइम कार सर्विलांस जैसी सुविधाएं प्रदान करता है।

बैटरी और परफॉर्मेंस

नई XEV 9S को महिंद्रा ने तीन अलग बैटरी पैक विकल्पों के साथ पेश किया है-59 kWh, 70 kWh और 79 kWh, इन बैटरी पैक्स के साथ मिलने वाला पावर आउटपुट 228 bhp से 282 bhp के बीच रहता है, जबकि सभी वेरिएंट्स में 380 Nm का मजबूत टॉर्क दिया गया है। इससे SUV हर तरह की ड्राइविंग कंडीशन्स में बेहतर प्रतिक्रिया देती है। महिंद्रा का दावा है कि इसका टॉप-एंड वेरिएंट केवल 7 सेकंड में 0-100 kmph की रफ्तार पकड़ने में सक्षम है, जो अपनी कैटेगरी में इसे काफी स्पोर्टी बनाता है। इलेक्ट्रिक पावरट्रेन के चलते ड्राइविंग ज्यादा स्मूद, साइलेंट और फास्ट रिस्पॉन्सिव होती है।

मॉय फर्स्ट राइड

डर से आत्मविश्वास तक की अनोखी यात्रा

कार चलाना हमेशा से मेरे लिए एक रोमांचक, लेकिन डराने वाला सपना था। सड़क पर तेजी से गुजरती गाड़ियों को देखकर मन में एक अजीब सा उत्साह तो आता था, लेकिन उसी के साथ लगा रहता था 'क्या मैं कभी इन्हें चला पाऊंगा?' लंबे समय तक यह सवाल मुझे रोकता रहा, लेकिन एक दिन मैंने पापा से कहा कि मुझे कार चलाना सीखना है। बस, यहीं से मेरी असली यात्रा शुरू हुई। पहले दिन जब मैं पापा के साथ कार की ड्राइविंग सीट पर बैठा, तो ऐसा लगा जैसे किसी नए संसार में प्रवेश कर रहा हूं। स्टीयरिंग व्हील पकड़ते ही हथेलियां पसीजने लगीं। पापा शांत आवाज में बोले, "डरो मत, कार आपको समझ जाएगी।" उनकी यह बात थोड़ी अजीब लगी, पर उसमें एक भरोसा था। मैंने धीरे से क्लच दबाया, गियर बदला और कार हल्के से आगे बढ़ी। वह कुछ सेकंड शायद मेरी जिंदगी के सबसे लंबे सेकंड थे। ऐसा लगा मानो मैं खुद को चला रहा हूं, कार नहीं।

ड्राइविंग सीखने के शुरुआती दिन ज्यादा चुनौतीपूर्ण थे। क्लच और एक्सेलरेटर का बैलेंस समझना एक कला है और यह कला मुझे बिल्कुल नहीं आ रही थी। सड़क पर आते ही मन में हमेशा डर रहता कि कहीं गाड़ी बंद न हो जाए या बाईं-प्रवृत्ति वाली गाड़ी दाईं तरफ न भाग जाए। कई बार ऐसा हुआ कि कार ठीक से स्टार्ट ही नहीं हुई और आसपास के लोग एक्टिंग कर के बता रहे थे कि मैं कितना नया ड्राइवर हूं, लेकिन ड्राइविंग की खूबसूरती यही है कि हर गलती से आप कुछ सीखते हैं। धीरे-धीरे पैरों का तालमेल बैठने लगा। क्लच कम छोड़ना, पहले गियर में गाड़ी को स्मूद चलाना और मोड़ पर स्टीयरिंग को सही एंगल में घुमाना, सब धीरे-धीरे आसान होता गया। कार सिखाते समय पापा अक्सर कहते थे कि "कार वही करती है, जो ड्राइवर का दिमाग चाहता है। बस दिमाग शांत रखो।"

एक दिन जब पहली बार मैंने खुद कार को थोड़ा तेज चलाया और वह बिना झटके आगे बढ़ती रही, तो यह एक अलग ही खुशी थी। ऐसा लगा जैसे किसी बड़ी परीक्षा में पास हो गया हूं। अब सड़कें इतनी डरावनी नहीं लगती थीं, बल्कि रोमांचित करती थीं। सबसे यादगार क्षण तब आया जब मैंने पहली बार बिना किसी की मदद के रोड पर लांग ड्राइव की। शुरुआत में थोड़ी घबराहट थी, लेकिन कुछ ही मिनटों में भरोसा बढ़ गया। सड़क किनारे खड़े पेड़ों की तरफ देखकर लगा कि आज मैं सच में अपने डर को पीछे छोड़ आया हूं। ड्राइविंग सीखने के इस पूरे अनुभव ने मुझे सिर्फ कार चलाना ही नहीं सिखाया, बल्कि धैर्य, आत्मविश्वास और साहस का महत्व भी समझाया। आज जब मैं कार स्टार्ट करता हूं, तो उन शुरुआती दिनों की घबराहट याद आ जाती है और उसी के साथ वह गर्व भी कि मैंने अपने डर को हराया। कार चलाना सिर्फ एक कौशल नहीं, बल्कि अपने आप को समझने और खुद पर भरोसा करने की एक छोटी, लेकिन बेहद महत्वपूर्ण यात्रा है।

-रुद्राक्ष त्रिवेदी, बीटेक स्टूडेंट, बरेली

अपनाएं ये जरूरी टिप्सः सर्दियों में डीजल कार की मुश्किल होगी खत्म

सर्दियों का मौसम आते ही डीजल कारों के सामने कई तकनीकी दिक्कतें खड़ी हो जाती हैं, खासकर उन राज्यों में जहां तापमान शून्य के आसपास पहुंच जाता है। ठंड बढ़ने पर इंजन स्टार्ट होना मुश्किल हो जाता है, डीजल गाढ़ा पड़ने लगता है और कार की परफॉर्मेंस भी सुस्त हो जाती है। अगर आपकी डीजल कार भी हर सर्दी साथ नहीं देती, तो कुछ सरल टिप्स अपनाकर आप अपने इंजन को ठंड में भी पूरी तरह स्मूथ, भरोसेमंद और एक्टिव रख सकते हैं।

विंटर-ग्रेड डीजल का जरूर करें इस्तेमाल

पेट्रोल इंजन की तुलना में डीजल इंजन ठंड के असर को ज्यादा महसूस करते हैं। कम तापमान में डीजल गाढ़ा होकर जेल की तरह जमने लगता है, जिसे फ्यूल जेमिंग कहा जाता है। ऐसे में डीजल फ्यूल लाइनों और फिल्टर से आसानी से गुजर नहीं पाता और परिणामस्वरूप कार स्टार्ट ही नहीं होती। इस समस्या से राहत पाने के लिए हमेशा भरोसेमंद पेट्रोल पंप से विंटर-ग्रेड डीजल ही भरवाएं। साथ ही, फ्यूल को ठंड में फ्लो बनाए रखने के लिए STP Diesel Treatment जैसे एंटी-जेल एडिटिव का इस्तेमाल भी बेहद फायदेमंद रहता है। इससे इंजन स्टार्टिंग हल्की-फुल्की ठंड में भी बिना किसी झंझट के हो जाती है।

आधा खाली न रखें फ्यूल टैंक

सर्दी में फ्यूल टैंक खाली रहने पर उसके अंदर नमी बनने लगती है, जो तापमान गिरने पर बर्फ में बदल सकती है। इससे फ्यूल पाइप ब्लॉक होने का खतरा काफी बढ़ जाता है। इसलिए कोशिश करें कि आपका फ्यूल टैंक हमेशा फुल या कम से कम तीन-चौथाई भरा हुआ रहे। इससे नमी बनने की संभावना कम होगी और फ्यूल जेमिंग का रिस्क भी काफी हद तक खत्म हो जाएगा।

सुबह गाड़ी स्टार्ट करते ही न दें रेस

बहुत से लोग ठंड में गाड़ी स्टार्ट करते ही एक्सेलरेटर दबा देते हैं, लेकिन ऐसा करना इंजन के लिए नुकसानदेह है। बेहतर होगा कि इंजन स्टार्ट करने के बाद 3-5 मिनट तक उसे आइडल रहने दें, ताकि इंजन ऑयल पूरी तरह गर्म होकर हर हिस्से तक आसानी से पहुंच सके। इसके अलावा कोशिश करें कि कार को गैरेज, शेड या ढकी हुई जगह पर पार्क करें ताकि पाला और ठंडी हवा इंजन को सीधे प्रभावित न करें।

विंटर-ग्रेड सिंथेटिक इंजन ऑयल का करें उपयोग

कम तापमान में इंजन ऑयल भी गाढ़ा हो जाता है। इससे कोल्ड इंजन में ऑयल सर्कुलेशन धीमा रहता है और इंजन पर जरूरत से ज्यादा दबाव पड़ता है। इस समस्या से बचने के लिए 5W-30 या 5W-40 जैसे विंटर-ग्रेड सिंथेटिक ऑयल का इस्तेमाल करें। यह ऑयल ठंड में भी आसानी से फ्लो होता है और इंजन को शुरुआत से ही बेहतर लुब्रिकेशन देता है।

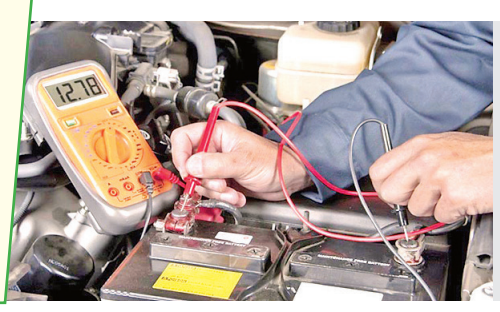

बैटरी की समय रहते कराएं जांच

सर्द मौसम में बैटरी की क्षमता घट जाती है और वोल्टेज कम होने लगता है। ऐसे में इंजन को स्टार्ट होने के लिए अधिक शक्ति चाहिए होती है और यही वजह है कि कार सुबह पहली बार स्टार्ट करते समय परेशानी देती है। इसलिए मौसम बदलने से पहले बैटरी की अच्छी तरह जांच करा लें-

- टर्मिनल्स पर जमा जंग साफ करवाएं
- बैटरी की हेल्थ और चार्ज लेवल चेक कराएं
- चार्जिंग सिस्टम और अल्टरनेटर की भी जांच करवाएं
- अगर बैटरी पुरानी है, तो ठंड शुरू होने से पहले उसे बदल देना समझदारी होगी।